IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 2, January 2022
Impact Factor: 6.252

भारत में महिला सशक्तिकरण

डॉ. संध्या शुक्ला[1] and वंदना वर्मा[2]

विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग[1]

एम.ए. एम.फिल (राजनीति विज्ञान)[2]

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

सारांशः समाज राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की भूमिका को लेकर चिंतन में एक विश्वव्यापी बदलाव आया है और महिला विकास व उसके सशक्तिकरण को लेकर एक अनुकूल वातावरण बनता जा रहा है। महिलायें भी इस चिंतन की सार्थकता सिद्ध करने के लिये जीवन के हर क्षेत्र में पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर अपनी अंर्तनिहित खमता का प्रमाण दे रही है। चाहे वह खलिहानों में हाथ बंटाने का कार्य हो या लड़ाकू विमानो की पायलेट बन सीमा रक्षा करने का दायित्व हो या माँ, पत्नी बन गृहस्थी को संवारने का क्षेत्र हो। महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार देने की मांग हर देश में ही जाने लगी है।

मुख्य शब्दः निर्धनता में कमी, अशिक्षा, क्रूरता, जातियां, रीति–रिवाज, परम्पराएं, अत्याचार, सम्मान और शिष्टता, परदा प्रथा, भ्रूण हत्या आदि।

संदर्भ ग्रंथः

[1]. सिंह गौरव महिला सशक्तिकरण हेतु सरकारी प्रयास एवं संवैधानिक व्यवस्थाएं आन्वीक्षिकि (शोध पत्रिका) 2013, पृ. 64

[2]. अंसारी एम.ए. महिला और मानवाधिकार, जयपुर 2007, पृ. 224

[3]. शर्मा रमा, मिश्रा एम. के महिला विकास 2012 अर्जुन पब्लिकेशन हाउस नई दिल्ली।

[4]. देशबंधु बिलासपुर–8 मार्च 2013

[5]. पाण्डेय मनोज कुमार, नारी साम्राज्य, विश्व भारतीय प्रकाशन 2008, पृ. 120

[6]. टी. राधाकृष्णा, मध्यप्रदेश महिला नीति भोपाल, 1997, पृ. 11–14

[7]. श्रीवास्तव रागिनी, आधुनिक समाज एवं महिलाएं इंदौर, 2011, पृ. 21

[8]. आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्रमुनी जी, भारतीय वाङ्मय में नारी, नई दिल्ली 2006, पृ. 24

[9]. जे.सी. अग्रवाल (1 जनवरी 2009) भारत में नारी शिक्षा प्रभात प्रकाशन, आई.एस.बी.एन. 97–81–85828–77–0

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 2, January 2022
Impact Factor: 6.252